HEAT WAVE ACTION PLAN 2025-26 kotputli-behror, Rajasthan

राजस्थान सरकार
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग

गर्मी/ताप की लहर (क्या करें और क्या ना करें)

क्या करे (Do's)

सभी के लिए :

- रेडियों सुने / टीवी देखें / स्थानीय मौसम की जानकारी के लिए समाचार पत्र पढे या संबधित मोबाईल ऐप डाउनलोड करे ।
- पर्याप्तं पानी पिये – अपने आप को हाइट्रेटेड रखने के लिए ओआरएस (ओरल रिहाइट्रेशन सॉल्यूसन), घर के बने पेय जैसे लस्सी, निबूं का पानी, छाछ आदि का सेवन करे।
- हल्के रंग के ढीले, सूती कपड़े पहनें।
- यदि कही बाहर है, तो अपना सिर ढके – कपड़े, टोपी या छतरी का उपयोग करे। आंखों की सुरक्षा के लिए धूप के चश्मे का प्रयोग करे और त्वचा की सुरक्षा के लिए सनस्क्रीन लगाये ।
- प्राथमिक चिकित्सा में प्रशिक्षण ले।

नियोक्ता और श्रमिक

- कार्य स्थल पर ठंडे पेयजल का प्रबंध करे ।

- सभी श्रमिकों के लिए आराम के लिए छाया, साफ पानी, छाछ, आइस–पैक के साथ प्राथमिक चिकित्सा किट और ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूसन) का प्रबंध रखे।
- श्रमिकों के लिए सीधी धूप से बचने के लिए कहे।
- श्रमसाध्य कार्यों को दिन के कम ताप वाले समय में ही करें।
- बाहरी गतिविधियों के दौरान विश्राम करने की आवृति और सीमा समय बढाये ।
- श्रमिकों को लू से संबधित चेतावनी के बारे में सूचित करे ।
- जिन श्रमिकों के लिए गर्मी वाले क्षेत्र नए हो, उन्हे हल्का काम और कम घंटों का काम दें।

अन्य सावधानियां

- बंद वाहन में बच्चों या पालतू जानवरों को कभी अकेला ना छोडे ।
- पंखें और नम कपडों का प्रयोग करे, ठंडे पानी में स्नान करे ।
- सार्वजनिक परिवहन और कार – पूलिंग का उपयोग करे। यह भूमण्डलिय ऊष्मीकरण और गर्मी को कम करने में मदद करेगा।
- पेड लगाये। सूखी पतियों, कृषि अवशेषों और कचरे को न जलाऐं ।
- जल स्त्रोतों का संरक्षण करे। वर्षो के जल को संचयित करे ।

- ऊर्जा –कुशल उपकरणों, स्वच्छ ईधन और ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोंतो का उपयोग करे ।
- अगर आपकों चक्कर आ रहे है या आप अस्वस्थ महसूस कर रहे है तो तुरन्त डॉक्टर के पास जाये या किसी को तुरन्त डॉक्टर के पास जाने के लिए कहे।

नया घर बनाते समय

- नियमित दीवारों की बजाय कैविटी तकनीक का उपयोग करें।
- चौडी दीवारें बनवाएं। वे घर को ठंडा रखती है।
- जालीदार दीवारें और लोब वाले उद्घाटनों का निर्माण करें। वे अधिकतम वायु–प्रवाह कर गर्मी को अवरूद्ध करते है।
- दीवारों को रंगने के लिए प्राकृतिक सामग्री जैसे चूने या मिटटी का उपयोग करें ।
- यदि संभव हो तो कांच के इस्तेमाल से बचे ।
- निर्माण करने से से पहले बिल्डिग टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ से सलाह लें।

मवेशी के लिए

- पशुओं को छाया में रखें और उन्हें पीने के लिए पर्याप्त, स्वच्छ और ठंडा पानी दे।
- उनसे सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच काम न लें ।

- शेड की छत को पुआल से ढक दे, तापमान कम करने के लिए इसे सफेद रंग / चूने से रंग दे या गोबर से लीप दें।
- लेड में पंखे, वाटर स्प्रे और फॉमर्स का प्रयोग. करे ।
- अत्यधिक गर्मी के दौरान, पानी का छिडकाव करे और मवेशियों को ठंडा करने के लिए एक जल निकाय पर ले जाए।
- उन्हे हरी घास, प्रोटीन – वसा बाईपास पूरक, खनिज मिश्रण और नमक दें। कम गर्मी वाले घंटों के दौरान उन्हे चरनें दें।

क्या न करें (**Don't**)

- धूप में बाहर जाने से बचे, खासकर दोपहर 12 और 3 बजे के बीच ।
- दोपहर में बाहर भारी कामों से बचे।
- नंगे पांव बाहर न जायें ।
- दिन के सबसे गर्म समय के दौरान खाना पकाने से बचे। खाना पकाने वाले हिस्से को हवादार बनाए रखने के लिए दरवाजे और खिडकियां खुली रखे।
- शराब, चाय, कॉफी और कॉर्बोनेटेड शीतल पेय से बचें। वे शरीर को निर्जलित करते है।
- अधिक प्रोटीन वाले भोजन से बचें। बासा भोजन ना करे ।

- पार्क किए गए वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को न छोडे, वे गर्म हवा से प्रभावित हो सकते है ।
- ऐसे बल्बों का उपयोग करने से बचे जो अनावश्यक गर्मी उत्पन्न करते है, ठीक वैसे ही जैसे कि लगातार चलते हुए कम्प्यूटर या बिजली के उपकरण ।
- **लू से प्रभावित व्यक्ति के उपचार के लिए टिप्स**
- तापमान को कम करने के लिए पीडित के सिर पर गीले कपड़े का उपयोग करे/पानी डाले।
- व्यक्ति को ओआरएस / नीबू, शरबत या जो कुछ भी शरीर को पुनः सक्रिय करने के लिए उपयोगी हों, पीने के लिए दे ।
- व्यक्ति को तुरन्त नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र ले जाये ।
- यदि लगातार उच्च तापमान बना रहता है और सिरदर्द, चक्कर आना, कमजोरी, मतली या भटकाव आदि के लक्षण स्पष्ट महसूस हो तो ऐसी स्थिति में 100 नं पर कॉल करे ।

"लू"
यानी तेज़ गर्मी
जानलेवा हो सकती है!
निम्नलिखित सावधानियाँ बरतें
स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें
पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं – भले ही प्यास न लगी हो
ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताज़ा रहें।
हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं – उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।
HEAT WAVE
100
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

हीट वेव से सेहत को
होने वाले नुकसान

TOW AWAY ZONE
क्या आप
"लू"
से बचाव के लिए तैयार हैं?
निम्नलिखित सावधानियां बरतें
स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें
पर्याप्त मात्रा में पानी पियें भले ही प्यास न लगी हो
ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताज़ा रहें।
हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं – उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।
ORS
ORS
HEAT WAVE
100
90
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

क्या आप घर से बाहर
"लू"
में काम करते हैं?
निम्नलिखित सावधानियां बरतें
स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें।
पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं – भले ही प्यास न लगी हो।
ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताज़ा रहें।
हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
नंगे पांव बाहर न जाएं।
गर्मी से राहत के लिए हाथ का पंखा अपने पास रखें।
काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें।
पेड़ या छाया में ही आसरा लें।
ORS
ORS
HEAT WAVE
100
90
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

धूप
में जाने से
बचें
निम्नलिखित सावधानियां बरतें
स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें और समाचारपत्र पढ़ें
पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं – भले ही प्यास न लगी हो
ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताज़ा रहें।
हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं – उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।
ORS
HEAT WAVE
100
90
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

दोपहर में
शारीरिक मेहनत
वाले काम से
बचें
निम्नलिखित सावधानियां बरतें
स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें
पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं – भले ही प्यास न लगी हो
ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें।
हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं – उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।
ORS
HEAT WAVE
100
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

अपने जानवरों को
"लू"
से बचाएं
लू के दौरान पालतू जानवरों के लिए सावधानियां
जहां तक संभव हो, तेज गर्मी के दौरान उन्हें घर के भीतर रखें।
यदि उन्हें घर के भीतर रखा जाना संभव न हो तो उन्हें किसी छायादार स्थान में रखें, जहां वे आराम कर सकें। ध्यान रखें कि जहां उन्हें रखा हो वहां दिनभर छाया रहे।
जानवरों को किसी बंद वाहन में न रखें, क्योंकि गर्म मौसम में इन्हें जल्दी गर्मी लगने लगती है।
ध्यान रखें कि आपके जानवर पूरी तरह साफ हों, उन्हें ताजा पीने का पानी दें, पानी को धूप में न रखें। दिन के समय उनके पानी में बर्फ के टुकड़े डालें।
पीने के पानी के दो बाउल रखें ताकि एक में पानी खत्म होने पर दूसरे से वे पानी पी सकें।
अपने पालतू जानवर का खाना धूप में न रखें।
यदि आपके पास कुत्ता है तो उसे गर्मी में न टहलाएं। उसे सुबह और शाम को घुमाएं जब मौसम में ठंडक हो।
कुत्ते को गर्म सतह (पटरी, तारकोल की सड़क, गर्म रेत) पर न चलाएं।
किसी भी स्थिति में जानवर को वाहन में न छोड़ें।
HEAT WAVE
100
90
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

अपने जानवरों को
"लू"
से बचाएं
लू के दौरान पालतू जानवरों के लिए सावधानियां
HEAT WAVE
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

बढ़ती गर्मी में
वृद्ध एवं कमजोर व्यक्तियों
की करें खास
देखभाल
निम्नलिखित सावधानियां बरतें
तेज गर्मी, खासतौर से जब वे अकेले हों, तो कम से कम दिन में दो बार उनकी जांच करें।
ध्यान रहे कि उनके पास फोन हो।
यदि वे गर्मी से बेचैनी महसूस कर रहे हों तो उन्हें ठंडक देने का प्रयास करें।
उनके शरीर को गीला रखें, उन्हें नहलाएं अथवा उनकी गर्दन तथा बगलों में गीला तौलिया रखें।
उनके शरीर को ठंडक देने के साथ साथ डॉक्टर अथवा एम्बुलेंस को बुलाएं।
उन्हें अपने पास हमेशा पानी की बोतल रखने के लिए कहें।
ORS
HEAT WAVE
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

शिशुओं को
"लू"
से बचाएं
बच्चों के लिए सावधानियाँ
उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी पिलाएं।
शिशुओं में गर्मी की वजह से होने वाली बीमारियों का पता लगाना सीखें।
यदि बच्चे के पेशाब का रंग गहरा है तो इसका मतलब है कि वह डीहाईड्रेशन (पानी की कमी) का शिकार है।
बच्चों को बिना देखरेख खड़ी गाड़ी में छोड़ कर न जाएं, वाहन जल्दी गर्म होकर खतरनाक तापमान पैदा कर सकते हैं।
ORS
ORS
HEAT WAVE
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

अपने बच्चों को तेज़
"लू"
से बचाएं
बच्चों के लिए सावधानियाँ
हमेशा अपने साथ पानी की बोतल रखें। नींबू पानी / छाछ / नारियल पानी / ताजे फलों के रस का नियमित रूप से सेवन करें।
हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन न करें। ताजे फल, सलाद तथा घर में बना खाना खाएं।
खासतौर से दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच धूप में खेलने न जाएं। शाम के समय खेलें।
यदि बच्चे को चक्कर आएं, उल्टी, घबराहट अथवा तेज सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो रही हो तो उसे डॉक्टर को दिखाएं।
ORS
HEAT WAVE
100
90
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

NDMA Advisory for heat wave 2025

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

- विभिन्न स्थानों पर हीट वेव अलर्ट के लिए कलर कोडिंग वाले डिस्प्ले डिजिटल बोर्ड लगाएं।
- सामान्य जागरूकता के लिए क्या करें और क्या न करें का व्यापक रूप से प्रचार करें, अधिमानतः क्षेत्रीय भाषा में।
- क्षेत्रीय भाषा में आईईसी प्रिंट सामग्री (प्रिंट सामग्री, रेडियो–जिंगल्स और टीवी) प्रकाशित करें।

स्वास्थ्य विभाग

- स्वास्थ्य केंद्रों और आंगन बाड़ियों में ओआरएस पैकेट, आवश्यक दवाएं, अंतःस्रावी तरल पदार्थ, आइस पैक आदि का स्टॉक रखें।
- गर्मी की लहर से संबंधित किसी भी स्थिति से निपटने के लिए विशेष एसी वार्ड समर्पित किए जा सकते हैं।
- जिला अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रारंभिक चेतावनी प्रसार की निगरानी।

NDMA Advisory for heat wave 2025

- ग्राम स्तर तक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को दिशा–निर्देश एवं प्रशिक्षण।
- गर्मी की लहर के कारण मृत्यु दर और मृत्यु की रुग्णता की निगरानी और रिपोर्टिंग सख्ती से पालन किया जा सकता है।
- यदि कोई सामूहिक जमावड़ा हो तो आसपास की स्वास्थ्य सुविधाओं को सतर्क और सक्रिय किया जा सकता है।
- प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र/ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर रेपिड रेस्पोन्स टीम का गठन किया गया है।
- चिकित्सा अधिकारी प्रभारी द्वारा प्रत्येक नरेगा साईट को विजिट किया जायेगा एवं मेड को आवश्यक औषद्यी एवं ओ.आर.एस उपलब्ध करवाया जायेगा।
- राजकीय चिकित्सालयों में पर्याप्त चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टॉफ दवाईयों तथा संसाधनों की सुनिश्चितता हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोटा को निर्देशित किया गया है।

शहरी स्थानीय निकाय/पंचायती राज

- ग्रामीण विकास और श्रम एवं रोजगार, विभागों के सहयोग से मनरेगा श्रमिकों, निर्माण श्रमिकों के लिए विशेष आश्रय स्थापित करना और उनके काम के घंटों को पुनर्निर्धारित करना।
- लू प्रभावित क्षेत्रों/मोहल्लों में पेयजल सुविधा की व्यवस्था करना।
- पार्कों, बस स्टैण्डों, पर्यटन स्थलों एवं खुले क्षेत्रों में छाया की व्यवस्था करें।
- सभी क्षेत्रों विशेषकर अनौपचारिक बस्तियों में पानी की निर्बाध आपूर्ति।
- अत्यधिक गर्मी की स्थिति के दौरान अल्पकालिन राहत उपाय के रूप में पीने के ठंडे पेयजल और बर्फ घोल की उपलब्धता की जा सकती है।
- समर्पित शीतल कक्षो की सीपना करना जो पूरे गर्मी के मौसम में क्रियाशील रहें, तथा संवेदनशील आबादी को राहत प्रदान करें।
- शहर के कुछ हिस्सो में प्रकृति आधारित समाधान (वृक्षारोपण, हरित गलियारे, शहरी, वन, झील पुनरूद्यार) को शामिल करना,

NDMA Advisory for heat wave 2025

- शामिल करना, इमारतों में निष्क्रिय शीतलन तकनीकों को शामिल करना, विशेष रूप से सभी सार्वजनिक इमारतों में निष्क्रिय शीतलन समाधान के भाग के रूप में कूल रूफिंग तकनीकी को शामिल करना ताकि गर्मी के जोखिम को कम किया जा सके और इन उपयों को व्यापक कूल एक्शन प्लान फ्रेमवर्क के भीतर ऐकीकृत किया जा सके।
- <u>**शिक्षा क्षेत्र**</u>
- अत्यधिक गर्मी/दोपहर से बचने के लिए स्कूल का समय पुनः निर्धारित किया जाना चाहिए। स्कूल जल्दी शुरू हो सकते हैं और दोपहर से पहले बंद हो सकते हैं।
- सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में पेयजल स्टेशन कियोस्क/शेड की स्थापना
- बाहरी शारीरिक गतिविधियों से बचना होगा।

<u>जिला स्तर</u>

- लू के कारण क्या करें और क्या न करें के बारे में जनता को सूचित और शिक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाएं।
- गर्मी से संबंधित बीमारियों के जोखिमों और खतरों पर नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करें सार्वजनिक भवनों, मॉल, धार्मिक स्थानों आदि जैसे शीतलन केंद्रों को सक्रिय करें।

NDMA Advisory for heat wave 2025

- गैर सरकारी संगठनों, सामुदायिक समूहों और व्यक्तियों से लू की स्थिति के दौरान सार्वजनिक लू स्थानों पर पीने के पानी/छाछ के कियोस्क खोलने का आग्रह करें...
- बिजली वितरण/पारेषण कंपनियों से अस्पतालों और यूएचसी जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं के लिए बिजली आपूर्ति बनाए रखने को प्राथमिकता देने का आग्रह करें।
- चुनाव के मतदान के समय और अन्य सभी आवश्यक उपायों के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ समन्वय करें।
- स्थानीय स्तर पर जब भी आवश्यकता हो, स्कूलों, कॉलेजों, संस्थानों आदि के समय में परिवर्तन लागू करें।

- गैर सरकारी संगठनों, सामुदायिक समूहों और व्यक्तियों से लू की स्थिति के दौरान सार्वजनिक लू स्थानों पर पीने के पानी/छाछ के कियोस्क खोलने का आग्रह करें...
- बिजली वितरण/पारेषण कंपनियों से अस्पतालों और यूएचसी जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं के लिए बिजली आपूर्ति बनाए रखने को प्राथमिकता देने का आग्रह करें।
- चुनाव के मतदान के समय और अन्य सभी आवश्यक उपायों के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ समन्वय करें।
- स्थानीय स्तर पर जब भी आवश्यकता हो, स्कूलों, कॉलेजों, संस्थानों आदि के समय में परिवर्तन लागू करें

श्रम विभाग

- गर्मी की लहर से संबंधित बीमारियों के संबंध में निर्माण/उद्योग/वाणिज्यिक अधिकारों के साथ प्रशिक्षण।
- चरम गर्मी के घंटों से बचने के लिए काम के समय पर सलाह जारी की जा सकती है।
- स्वास्थ्य विभागों के सहयोग से विशेष रूप से अनौपचारिक क्षेत्रों और बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर,
- श्रमिकों के लिए सभी कार्य परिसरों में पेयजल की सुविधा

- ## विद्युत विभाग –
- बिजली वितरण/पारेषण कंपनियों से अस्पतालों और यूएचसी जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं के लिए बिजली आपूर्ति बनाए रखने को हेतु निर्देशित किया गया।
- ग्रष्म ऋतु में ढीले तारो से होने वाली समस्या के संबंध नियमित मोनिटरिंग एवं प्रबंध किया जाना सुनिश्चित करे।
- ग्रीष्म ऋतु में अत्यधिक विद्युत कंजम्पशन के कारण विद्युत विभाग के ट्रांसफार्मर एवं विद्युत यंत्रों में आगजनी की घटना एवं इससे विद्युत आपूर्ति बाधित होने संबंधी समस्या के संबंध में पूर्व तेयारी किया जाना सुनिश्चित करे।
- ## जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग
- ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बोरवेल एवं पेयजल स्त्रोतो में अनावश्यक पानी बहने एवं अनावश्यक पानी की मोटर चालू रहने की स्थिति में लोगों को ग्रीष्म ऋतु पानी बचाने एवं पानी की आवश्यकता समाप्त होने पर मोटर बंद करने हेतु जागरूक करे।
- स्वच्छ पानी की पर्याप्त व्यवस्था रखे।
- ग्रामीण क्षेत्रों मे खराब पडे हेण्डपम्प, मोटर को अविलम्ब सही करावे।

(राजस्थान सरकार)

कार्यालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट कोटपूतली—बहरोड़ राज0

Email: DM.KOTPUTLI.BEHROR@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांक:सहायता / 2025 / राजकाज दिनांक:— signed date

शासन सचिव
आपदा प्रबंधन सहायता एवं
नागरिक सुरक्षा विभाग

विषय :— राज्य में हीट वेव प्रबंधन के लिए नोडल अधिसकारी नामित करने बाबत्

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत निवेदन है राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा जारी लू कि चेतवानी के मध्यनजर जिला कोटपूतली—बहरोड में हीट वेव प्रबधंन के लिए नामांकित नोडल अधिकारी कि सुचना निम्नानुसार प्रेषित है।

क्रमांक	अधिकारी का नाम	पदनाम	मोबाईल नम्बर	**Email-id**
01.	श्री ओमप्रकाश सहारन	अति. जिला कलक्टर	9413514599	**reliefkotputlibehror@gmail.com**

जिला कलक्टर
कोटपूतली—बहरोड

क्रमांक:सहायता / 2025 / राजकाज दिनांक:— signed date
प्रतिलिपि:—

1. श्रीमान निदेशक महोदय, एनडीएमए भारत सरकार, नई दिल्ली।

जिला कलक्टर
कोटपूतली—बहरोड

Signature Not Verified

Digitally signed by Kalpana Agrawal
Designation : Collector & District Magistrate
Date: 2025.04.09 16:45:19 IST
Reason: Approved

<u>जिला –कोटपूतली–बहरोड़</u>

लू–तापघात से बचाव के लिए समुचित प्रबंध :–

- जिला स्तर से हीट वेव एक्शन प्लान 2025, माह वार कार्य योजना एवं एनपीसीसीएचएच कमेटी गठन आदेश तैयार कर भिजवाये जा चुके हैं।कंट्रोल रूम की व्यवस्था–जिला स्तर एवं ब्लाक स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। जिला एवं ब्लॉक स्तर पर गठित रेपिड रेस्पॉन्स टीम को अलर्ट किया जाकर नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर दी गई है।
- लू–तापघात समुचित **प्रबंधन के लिए बनाई गई जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स कमेटी** की **बैठक जिला कलेक्टरकीअध्यक्षता में** की गयी है।
- जिला स्तर पर प्रतिदिन हीट स्ट्रोक केसेज की रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से करवाई जाकर प्रतिदिन संस्थानवाईज मोनिटरिंग की जार ही है।जिलें में दिनांक 06.05.2025 तक पोर्टल पर सस्पेक्टेड हीट स्ट्रोक केसेज की संख्या शून्य एवं मृत्यु शून्य है।
- जिलें मे हीट वेव के लियें चिकित्सा संस्थानो बेडस, कूलर, एसी एवं वाटर कूलर एवं समस्त चिकित्सा संस्थानो में इलेक्ट्रीसिटी के बैक अप के रूप मे जनरेटर/इनवेटर क्रियाशील रखनें हेतु निर्देशित कर दिया गया है।
- जिले के समस्त सामु0/प्राथ0/शहरी प्राथ0 स्वा0 केन्द्र पर कन्ट्रोल रूम एवं रेपिड रेसपोंस टीमों का गठन किया जा चुका है।
- जिलें मे कुल 24 एम्बुलेंस क्रियाशील है, सभी एम्बुलेंस मे आवश्यक दवाईयां एवं उपकरण, आइसबॉक्स उपलब्ध है, जिन्हे मौसमी बीमारियों एवं लू–तापघात से बचाव हेतु विशेष निर्देश प्रदान कर दिये गये है।
- जिले के सभी चिकित्सा संस्थानो पर उपचार हेतु आवश्यक दवाईयां, ओ.आर.एस., ड्रिप सेट, आई.वी फ्लूड–जी.एन.एस/जी.डी.डब्ल्यू /आर.एल0 एवं अन्य आवश्यक दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है।
- सभी चिकित्सां संस्थानो में लू–तापघात के रोगीयों हेतु 5–10 बैड की अलग से व्यवस्था तथा वार्ड को ठण्डा रखने के लिये कुलर, पखें की व्यवस्था की गयी है।
- **आईईसी:–**जनसाधारण को लू–तापघात से प्रभावित होने पर बचाव के उपायो की जानकारी प्रचार–प्रसार के माध्यमो की गई साथ ही पम्पलेट, पोस्टर, बैनर छपवाकर जिले के सार्वजनिक, प्रमुख स्थानो पर लगाये गये है और नियमित हीट वेव अलर्ट वाट्सअपग्रुप एवं संस्थानों को सर्कुलेट किये जार रहे है।क्लामेंटचैज एडवर्सप्रभाव (आकाशीय बिजली, अतिवृष्टि/बाढ) हेतु आवश्यक क्या करना है,क्या नहीं करना(do and dont's)है के संबंध में दिशा निर्देश जारी किये जा चुके है।
- **संस्थानों पर वाटर/बिजली की सप्लाई**–जिले के सभी चिकित्सा संस्थानो पर वाटर/बिजली की सप्लाई दुरस्त है।
- **फायर सेफ्टी**–सभी चिकित्सा संस्थानों (डीएच, एसडीएच, सीएचसी, पीएचसी) एवं निजी चिकित्सा संस्थानों द्वारा फायर एनओसी हेतु ऑनलाईन पोर्टल पर अप्लाई किये जाने हेतु सभी संस्थानों को निर्देशित किया गया है।

<table>
<tr><th colspan="5">लू–ताप घात/ मौसमीबीमारियां</th></tr>
<tr><td>1</td><td colspan="3">कन्ट्रोल रूम की स्थापना</td><td>जिले ब्लॉक कार्यालय, डीएच,एसडीएच ,सीएचसी व पीएचसी पर स्थापना कर दी गई है।</td></tr>
<tr><td>2</td><td colspan="3">संस्थानों पर लू–ताप घात हेतु आरक्षित किये गये बेड की संख्या</td><td>320 बैड</td></tr>
<tr><td>3</td><td colspan="3">संस्थानों पर उपलब्ध एसी, कूलर व पंखे की क्रियांशीलता</td><td>एसी–466, पंखे 4038, कूलर 520</td></tr>
<tr><td colspan="5"></td></tr>
<tr><td>AC</td><td>Fan</td><td>Cooler</td><td>Water Cooler</td><td rowspan="2">No. Reserve Bed for Heat stroke cases</td></tr>
<tr><td>Working AC</td><td>Working Fan</td><td>Working Cooler</td><td>Drinking Water Cooler</td></tr>
<tr><td>466</td><td>4038</td><td>520</td><td>73</td><td>320</td></tr>
</table>

राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला कलक्टर कोटपूतली–बहरोड(राज०)

क्रमांक :– सहायता/हीटवेव/2025/654 **दिनांक :– 22.04.2025**

श्रीमान् शासन संयुक्त सचिव,
आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग,
राज० जयपुर।

विषय :– माननीय न्यायालय के स्व–प्रेरणा संज्ञान द्वारा हीटवेब की तैयारियों की अनुपालना रिपोर्ट भिजवाने बाबत्।

संदर्भ :– आपके कार्यालय का पत्रांक एफ 1(2)आ0प्र0एवंसहा0/लू–ताप/2025/राजकाज रेफरेंस नम्बर 14842817 जयपुर दिनांक 21.04.2025

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र के क्रम में निवेदन हैं कि माननीय न्यायालय के स्वप्रेरणा संज्ञान द्वारा हीटवेव की तैयारियों की अनुपालना रिपोर्ट चाही गई हैं, के सम्बन्ध में निवेदन इस प्रकार हैं–

- इस कार्यालय द्वारा दिनांक 09.04.2025 को हीटवेव/लू–तापघात के प्रभाव को देखते हुए बचाव, नियंत्रण एवं अग्रिम व्यवस्थाओं के लिए मिटिंग का आयोजन किया गया जिसमें जिला कोटपूतली–बहरोडके समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को हीट वेब के प्रबन्धन के लिए एडवायजरी जारी कर अक्षरशः पालना करने हेतु निर्देशित किया जा चुका हैं।
- जिले में हीटवेव के लिए जारी एडवायजरी ''क्या करे और क्या न करे'' का व्यापक प्रचार–प्रसार प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के माध्यम से आमजन को जागरूक करने हेतु सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी, कोटपूतली–बहरोड को निर्देशित किया जा चुका हैं।
- जिला स्तर पर हीटवेव के सम्बन्ध में नियंत्रण कक्ष की स्थापना कर दी गई हैं। जिसका दूरभाष नं. 01421 299036 हैं।
- जिले में हीटवेव प्रबन्धन हेतु अति० जिला कलक्टर, कोटपूतली–बहरोडको नोडल अधिकारी नियुक्त किया जा चुका हैं।
- ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति सम्बन्धी व्यवस्थाओं की समीक्षा एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण किये जाने हेतु उपखण्ड अधिकारियों को निर्देशित किया गया हैं।

<u>माननीय न्यायालय के स्व–प्रेरणा संज्ञान के बिन्दु 22 एवं 26 की पालना में की गई कार्यवाही एवं संबंधित विभागों को दिये गये निर्देशः–</u>

1. <u>शिक्षा विभाग</u> :–

- वर्तमान में विद्यालयों का समय प्रातः 7.30 से 01.00 बजे तक निर्धारित है। हीट वेव से बचने के लिये जारी एडवाईजरी की पालना सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। कक्षा 1 से 8 तक के विद्यालय समय में नियमानुसार परिवर्तन करने हेतु निर्देशित किया गया।
- समस्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से सभी पीईईओ को हीट वेव से बचाव हेतु जारी किये गये निर्देशों की अक्षरशः पालना करने के लि[illegible] विद्यार्थियों, अभिभावकों, एसएमसी/एसडीएमसी सदस्यों को जागरूक करने के लिए [illegible] किया गया है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Kalpana Agrawal
Designation : Collector & District Magistrate
Date: 2025.04.23 14:04:19 IST
Reason: Approved

2. चिकित्सा विभाग :–

- हीटवेव एवं अन्य चिकित्सा सुविधाओं के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिले में स्थित चिकित्सा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया एवं पालना हेतु निर्देशित किया गया।
- सभी चिकित्सा संस्थानों (जिला चिकित्सालय, उप जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उप स्वास्थ्य केन्द्र) पर समुचित मात्रा में ड्रिप सेट, जीएनएस, सीप्रो, मेट्रो डायसायक्लोमीन, मेट्रोक्लोप्रामाईड, रेनिटिडीन, ओनडेस्टोरोन, आपमीप्राजोल, आरएल, जीएनएस, जीडीडब्ल्यू, आईवीस्टेन, केथेटोड, प्रिकिंग निडिल, ग्लास स्लाईड एवं अन्य आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चत करने हेतु निर्देशित किया गया।
- सभी चिकित्सा संस्थानों पर समुचित मात्रा में ओआरएस पैकेट उपलब्ध हैं एवं ओआरएस कॉर्नर स्थापित कर लिए गये हैं।
- लू–तापघात के बचाव हेतु जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ,प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हेतु बेड आरक्षित कर दिये गये हैं।
- सभी सामुदायिक केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पानी, बिजली की समुचित व्यवस्था कर दी गई हैं।
- सभी चिकित्सक/पैरामेडिकल स्टाफ को **HEAT RELATED ILLNESS** के उपचार का प्रशिक्षण दिया गया हैं।
- जिला स्तर पर आरआरटी का गठन कर लिया गया हैं। जिला एवं उपखण्ड स्तर पर आपातकालीन रेपिड रेस्पोन्स टीमों का गठन किया गया है।
- ओपीडी मरीजों के लू–तापघात के लक्षणों की जॉच की सम्पूर्ण व्यवस्था की गई है।
- इमरजेन्सी वार्ड में त्वरित पहचान के लिए स्टेण्डर्ड ट्रीटमेन्ट प्रोटोकॉल की व्यवस्था की गई है।
- सभी चिकित्सा संस्थानों के वार्ड और ओपीडी में मरीजों के लिए पंखों, वाटर कूलर व एयर कूलर की माकूल व्यवस्था की गई है।
- बच्चो, वृद्ध, गर्भवती महिलाओं व गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था की गई है।
- रोगियों को ठण्डे पीने के पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई हैं।
- जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष की स्थापना कर दी गई हैं –

  कंट्रोल रूम फोन नं. – 0144– 2340145

  नोडल अधिकारी :– मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (**9828261988**)

  सहायक नोडल अधिकारी :– ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी (**9799817676**)

  जिले में हीटवेव से आदिनांक तक किसी प्रकार जनहानि नहीं हुई है।

03. ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग/स्वायत्त शासन विभाग :–

- पंचायतराज में नरेगा श्रमिकों के लिए परिस्थितियों के अनुसार छायां, साफ पानी, छाछ, आइस पैक के साथ प्राथमिक चिकित्सा किट (हीट वेव के प्राथमिक उपचार से संबंधित) और ओआरएस की सुविधा सुनिश्चित कर ली गई है एवं उनका पूर्ण रूपेण सुपरविजन किया जा रहा है। साथ ही नरेगा का समय भी सुबह 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक प्रभावी रूप से कर दिया गया है।

04. विद्युत विभाग :–

- लू–ताप के दौरान निर्बाध रूप से विद्युत की निरंतर सप्लाई की जा रही हैं एवं मुख्य पावर स्टेशनों पर गर्मी से विद्युत सप्लाई बाधित ना हो उसकी पूर्ण व्यवस्था की जा रही हैं। साथ ही पावर स्टेशनों की समय–समय पर मॉनिटरिंग की जा रही है।

05. जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग :–

- पीने के पानी की समुचित व्यवस्था हेतु जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा पूर्ण तैयारी कर ली गई है। अभाव वाले स्थान पर पीने के पानी की व्यवस्था एवं हीट वेव की स्थिति में पानी के छिड़काव की स्थिति आने पर पानी टेंकर्स की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है, साथ

Signature Not Verified
Digitally signed by Kalpana Agrawal
Designation : Collector & District Magistrate
Date: 2025.04.23 14:04:19 IST
Reason: Approved

ही जिला व उपखण्ड स्तर पर नियन्त्रण कक्ष स्थापित कर दिये गये है। सुचारू पेयजल व्यवस्था हेतु निजी टैंकरों से पेयजल परिवहन करवाया जा रहा है।

- टूटी–फूटी पाईप लाईन या लीकेज पाईप को ठीक कराया गया हैं।
- जिला स्तरीय अधिकारीगण/ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण के माध्यम से पेयजल के लिए चालित टैंकरों का निरीक्षण कराया गया हैं एवं पेयजल सम्बन्धी प्राप्त परिवेदनाओं पर तत्काल कार्यवाही की जा रही हैं।

06. <u>श्रम विभाग</u> :–

- जिले में संचालित सभी प्रकार के संस्थानो/प्रॉजेक्ट एवं अन्य कार्यों में कार्यरत कार्मिकों/श्रमिकों के लिए गर्मी से बचाव के विशेष उपाय करने हेतु श्रम विभाग द्वारा नियोजकों को समय–समय पर अपील जारी की गई।
- श्रमिकों के लिए कार्य स्थल पर शीतल पेयजल की उचित व्यवस्था की जा रही हैं।
- कार्य के दौरान विशेषकर 11 बजे से 5 बजे तक गर्मी का असर अत्यधिक रहता है इस दौरान व्यवस्थित रूप से छायां की व्यवस्था हो या रेस्ट दी जावे ताकि कोई कामगार बीमार ना पड़े।
- श्रमिकों को समय पर भोजन की सुविधा दी जा रही हैं।
- श्रमिकों को नियमित रूप से विश्राम के लिए अवकाश देने हेतु निर्देशित किया गया हैं।
- आपातकालीन स्थिति के लिए ORS एवं अन्य मेडिकल किट/फर्स्ट एड कार्यस्थल पर उपलब्ध रखें, इस बाबत् भी निर्देशित किया गया हैं।

06. <u>वन विभाग</u> :–

- पशुओं/वन्यजीवों/पक्षियों के लिए पेयजल की माकूल व्यवस्था की गई हैं।

अतः उक्त सम्बन्ध में अनुपालना रिपोर्ट सादर प्रेषित है।

जिला कलक्टर
कोटपूतली–बहरोड

Signature Not Verified

Digitally signed by Kalpana Agrawal
Designation : Collector & District Magistrate
Date: 2025.04.23 14:04:19 IST
Reason: Approved

राजस्थान–सरकार

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोटपूतली–बहरोड़

E-mail ID : cmhokotbehror@gmail.com

क्रमांक : सामान्य / मौसमी / 2025 / 929 दिनांक : 07.03.2025

श्रीमान अति0 निदेशक (चि0 प्रशासन)
चिकित्सा एंव स्वास्थ्य सेवाएं राज0 जयपुर।

विषयः– हीट वेव के बचाव हेतु जिला टास्क फोर्स के सम्बंध मे।
संदर्भः– निदेशक (जन स्वास्थ्य) चिकित्सा एंव स्वा0 सेवाएं राज0 जयपुर के पत्रांक चि.प्र. / एनपीसीसीएचएच / 2025 / 122 दिनांक 05.03.2025

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र के क्रम में निवेदन है कि हीट वेव के बचाव हेतु जिला स्तर पर निम्नानुसार टास्क फोर्स का गठन किया जाता है।

क्र.स.	नाम अधिकारी / कर्मचारी	पदनाम	पदस्थापन स्थान	मोबाईल न0
1	डॉ0 प्रमोद सिंह भदौरिया	उपमुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी (स्वा0)	मुख्यालय	9829112109
2	डॉ0 दिलीप पंवार	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	राजकीय सरदार जनाना अस्पातल	8619181338
3	श्री जितेन्द्र सिंह खरेरा	एलटी	राजकीय सरदार जनाना अस्पातल	8696138984
4	श्री राजेश	च0श्रेणी कर्मचारी	मुख्यालय	9602107135

मुख्य चिकित्सा एवंस्वास्थ्य अधिकारी
कोटपूतली–बहरोड
दिनांक : 07.03.2025

क्रमांक : सामान्य / मौसमी / 2025 / 929
प्रतिलिपिः–निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु सादर प्रेषित है :–

1. श्रीमान निदेशक (जन स्वास्थ्य) चिकित्सा एंव स्वास्थ्य सेवाएं राज0 जयपुर।
2. श्रीमान संयुक्त निदेशक चिकित्सा एंव स्वास्थ्य सेवाएं जयपुर जोन जयपुर।
3. आदेश / रक्षित पत्रावली।

मुख्य चिकित्सा एवंस्वास्थ्य अधिकारी
कोटपूतली–बहरोड